संपादकीय

बाजार में एयर इंडिया

आखिरकार वर्षों से घाटे में चल रही भारत सरकार की विमानन कंपनी एयर इंडिया का विनिवेश करने का सरकार ने मन बना ही लिया। उसने सौ फीसदी हिस्सेदारी बेचने का मन बना लिया है। इस बाबत निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। एयर इंडिया को खरीदने के लिए प्रस्ताव सौंपने की अंतिम तारीख 17 मार्च तय कर दी गई और 31 मार्च तक इसके खरीदार के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि, सरकार ने दो साल पहले भी ऐसी कोशिश की थी, मगर कोशिश सिरे नहीं चढ़ सकी। सरकार तब 24 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखना चाह रही थी। लेकिन अब उसने जहां सौ फीसदी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है, वहीं खरीद की शर्तों को आसान भी बनाया है। नि:संदेह गले तक कर्ज में डूबी इस देश?की दूसरी बड़ी विमानन कंपनी को चलाना सरकार को अब सिर्फ घाटे का सौदा नजर आ रहा है। यही वजह है कि उसने अपने प्रतिष्ठित महाराज ब्रांड से मुक्त होने का मन बनाया है। भारतीय नागरिक उड्डयन नीति के अनुसार कोई भी विदेशी विमानन कंपनी भारत में किसी भी विमानन कंपनी में सिर्फ 49 फीसदी की ही खरीदारी कर सकती है।?जिसका मतलब तय है कि कोई भारतीय ही एयर इंडिया को खरीद सकता है। अब सरकार ने इस बड़ी खरीद के लिए कई तरह की छूट भी दी हैं, जिसमें इसके कर्ज के हिस्से में भागीदारी करते हुए खरीदार को अब महज 23 हजार करोड़ रुपये के एयर इंडिया के कर्ज को चुकाना होगा। इसके अलावा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की निर्धारित अवधि में भी छूट दी गई है। इसकी वजह यह भी है कि अन्य विमानन कंपनियों के मुकाबले एयर इंडिया में कंपनियों का प्रतिशत अधिक है। हालांकि, संघ से जुड़े भारतीय मजदूर संघ और चर्चित भाजपा सांसद सुब्रहमण्यम स्वामी इस विनिवेश को देश के हित में नहीं बता रहे हैं।

नि:संदेह, भारत के सार्वजनिक उप मों में कुप्रबंधन और?भ्रष्टाचार का जो आलम रहा है, एयर इंडिया की बि ी योजना उसकी परिणति की ही कड़ी है जो कंपनियों के संस्थागत पराभव की ओर इशारा करता है। आखिर क्या वजह थी कि भारत की प्रतिष्ठित विमानन कंपनी लगातार घाटे में डूबती चली गई? एयर इंडिया के इंडियन एयर लाइन्स में विलय के बाद ही घाटा बढ़ा। हवाई जहाजों का जो बड़ा बेड़ा खरीदा गया, उसने भी इस कंपनी की अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया। कहीं न कहीं एयर इंडिया की बदहाली के बीज इसके शीर्ष स्तर के कुप्रबंधन में छिपे हैं। नियुक्ति यों में राजनीतिक हस्तक्षेप और मुफ्त सेवा के तमाम उप म भी इसके पराभव के कारणों में शामिल रहे हैं। नि:संदेह विमानन सेवा एक संवेदनशील विषय है और राष्ट्रीय सरोकारों से भी जुड़ा है।

एलआईसी कर्मचारी 4 फरवरी को 1 घंटे हड़ताल पर रहेंगे

कोलकाता (आरएनएस)। भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारी केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के उस बजटीय प्रस्ताव के खिलाफ चार फरवरी को एक घंटे की राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने की घोषणा की है, जिसमें उन्होंने एलआईसी में सरकार की एक हिस्सेदारी बेचने की बात कही है।

जीवन बीमा निगम कर्मचारी एसोसिएशन के कोलकाता डिविजन के उपाध्यक्ष प्रदीप

मुखर्जी ने कहा, हम मंगलवार को सवा 12 बजे से सवा एक बजे तक एक घंटे की हड़ताल करेंगे। हम उसके बाद अपने सभी कार्यालयों में प्रदर्शन भी आयोजित करेंगे।

उन्होंने कहा, उसके बाद हम सड़क पर उतरेंगे और इस कदम का विरोध करेंगे। हम सभी सांसदों के पास भी जाएंगे।

एलआईसी के आंशिक विनिवेश के प्रस्ताव को राष्ट्रहित के खिलाफ बताते हुए मुखर्जी ने कहा कि यह कंपनी इस समय पूंजी के मामले में भारत की सबसे बड़ी वित्तीय कंपनी है, जो भारतीय स्टेट बैंक को भी पीछे छोड़ चुकी है।

ऑल इंडिया इंश्योरेंस इम्प्लाईज एसोसिएशन (एआईआईईए) ने भी सरकार के इस कदम का विरोध करते हुए कहा है कि पहले तीन या चार फरवरी को एक घंटे की हड़ताल की जाएगी।

अप्रैल-दिसंबर में देश का कोयला आयात आठ प्रतिशत बढ़कर 18.58 करोड़ टन

नयी दिल्ली (आरएनएस)। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर की अवधि में 7.6 प्रतिशत बढ़कर 18.58 करोड़ टन पर पहुंच गया। एमजंक्शन सर्विसेज के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर महीने में कोयला आयात 13.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.05 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 1.81 करोड़ टन रहा था। दिसंबर में नॉन कोकिंग कोयले आयात बढ़कर 1.42 करोड़ टन रहा। यह दिसंबर, 2018 में 1.25 करोड़ टन रहा था। इसी तरह कोकिंग कोयले का आयात 44.7 लाख टन रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 37.6 लाख टन रहा था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय वर्मा ने कहा, ''दिसंबर में आयात गतिविधियां कुछ बढ़ीं। इसकी वजह इस्पात कीमतों में सुधार और सीमेंट और स्पॉन्ज आयरन क्षेत्रों से सतत मांग बने रहना है।'' भारत ने 2018-19 में 1.7 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 23.52 करोड़ टन कोयले का आयात किया था।

एफपीआई ने जनवरी में शेयरों में किया 12,000 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली (आरएनएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजारों में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। यह लगतार पांचवां महीना है जबकि एफपीआई शेयरों में शुद्ध निवेशक बने हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच भू राजनीतिक और अमेरिका-चीन के बीच व्यापार को लेकर तनाव कम होने से एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में पैसा लगा रहे हैं। सितंबर में एफपीआई ने शेयरों में 7,547.8 करोड़ रुपये, अक्टूबर में

12,367.9 करोड़ रुपये, नवंबर में 25,230.6 करोड़ रुपये और दिसंबर में 7,338.4 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने पिछले महीने शेयरों में शुद्ध रूप से 12,122 करोड़ रुपये डाले। हालांकि, इस दौरान उन्होंने बांड बाजार से 11,119 करोड़ रुपये की निकासी की। इस तरह पिछले महीने भारतीय पूंजी बाजारों में उनका शुद्ध निवेश 1,003 करोड़ रुपये रहा।

टीम इंडिया की जीत के जश्न में खलल, चौथे मैच में धीमे ओवर रेट पर लगा जुर्माना

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में शुक्रवार को खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में धीमे ओवर रेट के लिए उसकी मैच फीस के 40 फीसदी का जुर्माना लगाया गया है।

भारतीय टीम निर्धारित समय में दो ओवर पीछे थी। आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने यह जुर्माना लगाया है। धीमे ओवर रेट में खिलाड़ियों की मैच फीस के 20 प्रतिशत का प्रति ओवर जुर्माना लगाया जाता है और भारतीय टीम दो ओवर धीमा थी।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने जुर्माने को स्वीकार कर लिया है इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। भारत ने इस मुकाबले में न्यूजीलैंड को सुपर ओवर में हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली है।

शेयर बाजार में रही 16 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई (आरएनएस)। बजट से निराश निवेशकों की बिकवाली और विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों से पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में कोहराम रहा और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4.51 प्रतिशत तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 5.03 प्रतिशत लुढ़क गया।

यह शेयर बाजारों में 16 महीने की सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले 05 अक्टूबर 2018 को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स 4.96 प्रतिशत और निफ्टी 5.03 प्रतिशत टूटा था। सप्ताह के दौरान छह कारोबारी दिवस में से पाँच में बाजार में तेजी रही जबकि बुधवार को इसमें गिरावट देखी गयी। इस दौरान सेंसेक्स 1,877.66 अंक का गोता लगाकर शनिवार को 39,735.53 अंक पर और निफ्टी 616.35 अंक लुढ़ककर 11,661.85 अंक पर बंद हुआ।

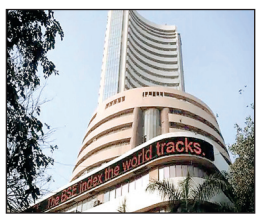

मझौली और छोटी कंपनियों में भी बड़ी गिरावट रही। बीएसई का मिडकैप 702.89 अंक यानी 4.44 प्रतिशत टूटकर 15,119.65 अंक पर और स्मॉलकैप 501.26 अंक यानी 3.38 प्रतिशत की गिरावट में 14,344.70 अंक पर आ गया। आने वाले सप्ताह में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए आईएचएस मार्किट के आँकड़े जारी होने हैं। इनका असर बाजार पर देखने को मिलेगा।

एनएफएल का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ तीन प्रतिशत बढ़कर 107 करोड़

नयी दिल्ली (आरएनएस)। नेशनल फर्टिलाइजर्स लि. (एनएफएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ दिसंबर, 2019 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में तीन प्रतिशत बढ़कर 107.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी ने 103.59 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 3,744.66 करोड़ रुपये

पर आ गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,785.54 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल उर्वरक बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 16.65 लाख टन रही।

आज का राशिफल

मेष: आज अधिक उतावलेपन से कार्यक्षेत्र की परिस्थितियां खराब हो सकती हैं इसलिए काम धीरे-धीरे ही निपटाएं।

वृषभ: आज ऑफिस में अच्छे लोगों से मुलाकात होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रति संवेदनशील रहेंगे।

मिथुन: आज भाग्यवर्धक दिन है, इसलिए इसका पूरा फायदा उठाएं और कोई भी पल व्यर्थ न गवाएं।

कर्क: आज दोपहर बाद कुछ टेंशन कम होगी। बिजनस में लाभ भी होगा। साहित्य में रुचि बढ़ेगी और पढ़ाई लिखाई में खूब मन लगेगा।

सिंह: आज दिन अच्छा गुजरेगा लेकिन दोपहर में कुछ शरारती लोग आपके काम में टांग अड़ाने की कोशिश कर सकते हैं।

कन्या: आज दोपहर बाद ही योजनाएं फायदा पहुंचाने लगेंगी। पारिवारिक असुविधाएं व घर से जुड़े कष्टों का हल खोजना आवश्यक होगा।

तुला: आज दोपहर तक किसी कारण से परेशानी हो सकती है, लेकिन शाम तक उसका हल निकालने से खुशी भी उतनी ही मिलेगी।

वृश्चिक: आज किसी से उल्टा सीधा कहने से आपकी पर्सनैलिटी पर ही बुरा असर पड़ सकता है, इसलिए आज जुबान को काबू में रखना ही फायदेमंद होगा।

धनु: आज का दिन महत्वपूर्ण है, दोस्तों और मित्रों का सहयोग और साथ बढ़ेगा। काम में आने वाली रुकावटें दूर हो जाएंगी।

मकर: आज का दिन कुछ हटकर काम करने का है। कल की मौजमस्ती आपके आज पर टिकी है, तैयार रहें।

कुंभ: आज आपका शरीर अस्वस्थ हो सकता है। इसलिए खानपान पर ध्यान दें। योजनाएं पूरी कर लेंगे।

मीन: आज दोपहर के बाद खर्च के मौके सामने आएंगे। किसी अभद्र व्यक्ति के कारण मूड खराब हो सकता है। अपने मान सम्मान को बचाकर रखना पड़ेगा। परिवार में शांति रहेगी।

पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाना चाहते हैं ऋतिक

बॉलीवुड के माचो हीरो ऋ तिक रोशन सिल्वर स्क्रीन पर पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाना चाहते हैं।

ऋतिक रोशन ने हाल ही में उमंग 2020 इवेंट में शिरकत की थी जहां उन्होंने पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने की इच्छा जाहिर की है। ऋतिक रोशन ने अपने अब तक के करियर के दौरान विविधतापूर्ण किरदार निभाये हैं लेकिन उन्होंने अभी

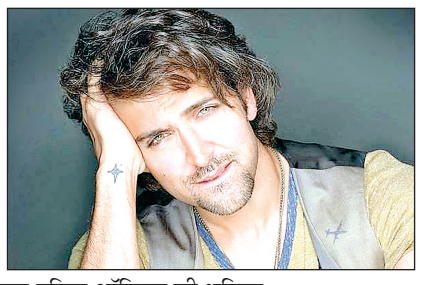

तक पुलिस ऑफिसर की भूमिका नहीं निभायी है।

ऋतिक के फैन्स चाहते हैं कि वह उन्हें पर्दे पर पुलिस ऑफिसर की भूमिका में देखें। ऋ तिक रोशन ने फैन्स की बात का मान रखते हुए फिल्म निर्माताओं से निकट भविष्य में उनके लिए सिल्वर स्क्रीन पर निभाने के लिए एक शानदार पुलिस वाले की भूमिका लिखने के लिए कहा है।

ऋतिक ने कहा , मैंने अपने फिल्मी करियर में सभी प्रकार की भूमिकाएं निभाई हैं। हालांकि मुझे पुलिसवाले की भूमिका निभाने का मौका नहीं मिला। मैं फिल्म निर्माताओं से आग्रह करूंगा कि वे मेरे लिए एक पुलिस अफसर की भूमिका लिखें। यह मेरे जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका होगी। मुझे विश्वास है कि मैं इसे अपने फ़िल्मी करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिका बनाऊंगा।

ब्रह्मास्त्र में कैमियो करेंगे शाहरुख

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान फिल्म ब्रह्मास्त्र में कैमियो करते नजर आएंगे। बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर इन दिनों फिल्म ब्रह्मास्त्र बना रहे हैं।

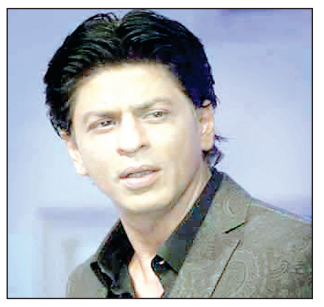

इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन, नागार्जुन, मौनी रॉय जैसे कलाकार अहम किरदारों में हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख खान कैमियो करेंगे। करण जौहर ने कहा वह शाहरुख के रोल का खुलासा नहीं करना चाहते हैं लेकिन वह फिल्म के लिए अपने विजन और इनपुट्स के साथ आगे आये, इसके लिए वह उनके हमेशा आभारी रहेंगे।

करण जौहर ने कहा, शाहरुख खान जो एनर्जी अपने साथ लेकर सेट पर आते हैं, वह बेमिसाल है। ब्रह्मास्त्र तीन पार्ट्स में बन रही है और करण ने बताया कि अयान पार्ट 2 और पार्ट 3 पर काम शुरू कर चुके हैं।

पनीर खाने के शौकीन हैं। तो ये स्पेशल डिश

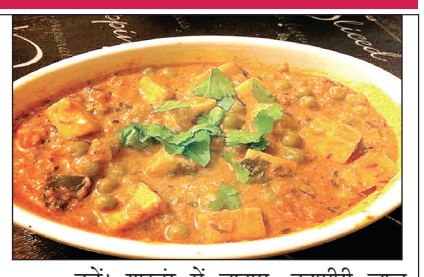

बादामी पनीर साम्रगी :-

पनीर - 2 कप
बादाम - 15-20
लाल मिर्च - 2 कश्मीरी अ
दरक - 1 इंच
टुकड़ा प्याज - 1
लहसुन - 1 चम्मच
(कटा हुआ) टमाटर प्यूरी - 1/2 कप
हल्दी - 1/4चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
गरम मसाला - 1/2 चम्मच
जीरा पाउडर - 1/2 चम्मच
क्रीम - 2 टेबलस्पून
चीनी - 1 चुटकी तेल
तेल नमक - स्वादानुसार

विधी :-

एक बाउल में पनीर, हल्दी पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच तेल डालकर अच्छे से मिक्स करें। अब पैन में थोड़ा सा तेल डालकर इसे फ्राई करें। ग्राइडंर में बादाम, कश्मीरी लाल मिर्च, प्याज, लहसुन, अदरक, 1/2 कप पानी डालकर पेस्ट बनाएं। अब पैन में तेल गर्म करके इस पेस्ट को 2 मिनट तक फ्राई करें। इसके बाद इसमें टमाटर प्यूरी, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, गरम मसाला और नमक मिक्स करके 2 मिनट तक पकाएं। इस मसाले में पनीर, क्रीम और चीनी मिक्सकर 2 मिनट तक दोबारा पकाएं। जब सब्जी अच्छी तरह पक जाए तो इसे बाउल में निकाल लें। आखिर में इसे बादाम, क्रीम या हरी धनिया के साथ गार्निश करें। आपका मसालेदार बादामी पनीर तैयार है। इसे आप गर्म गर्म रोटी के साथ खा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य- 22

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

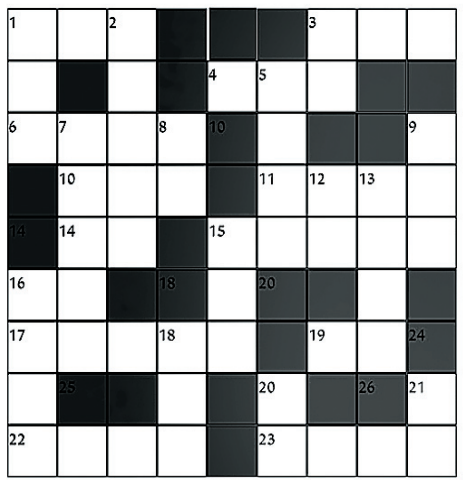

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 21 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू- 22

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.21 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2